वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 41 | शुक्रवार 9 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कांग्रेस नेताओं को फील्ड में उतरने का टास्क

दिन भर सीएम हाउस में चला बैठकों का दौर,धवन बोलीं- सुलह बैठक बाद बदले हालात

जयपुर. शाबाश इंडिया

कांग्रेस इस बार प्रदेश में कर्नाटक मॉडल पर चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी ने नेताओं को फील्ड में उतरकर अभी से काम शुरू करने का टास्क दिया है। फील्ड सर्वे का काम भी चल रहा है। गुरुवार को सीएम हाउस पर दिन भर रणनीति तय करने के लिए बैठकों का दौर चलता रहा। प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राजस्थान के तीनों सह प्रभारी सचिवों ने ग्राउंड से मिले फीडबैक के बाद अगली रणनीति पर चर्चा की। इस बैठक में चुनावी कमेटियां बनाने से पहले मंत्री और प्रमुख नेताओं को फील्ड में उतारने की रणनीति पर चर्चा की गई। तीनों सहप्रभारियों ने अपने-

अपने प्रभार वाले नेताओं,विधायकों से वन-टू-वन मुलाकात की। खासा कोठी में सहप्रभारी सचिव अमृता धवन, काजी निजामुद्दीन और वीरेंद्र सिंह राठौड़ से मिलने कई टिकटार्थी भी पहुंचे। कई नेता अपने कामकाज की प्रोफाइल बनाकर लाए थे। कुछ नेता ऐसे भी थे जो अपने बायोडेटा के साथ सिफारिशी लेटर भी साथ लाए। सहप्रभारी जिलों में जाकर फीडबैक ले चुके हैं। सह प्रभारी अमृता धवन पूर्वी राजस्थान के जिलों की जिम्मेदारी है। धवन ने कहा कि कि पूर्वी राजस्थान के लोगों ने दिल्ली की मीटिंग के बाद की तस्वीरें देखी हैं। उनका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऐसे में अब वहां के कार्यकर्ता संतुष्ट हैं और वहां बहुत बड़ा वर्ग है जो यह चाहता है कि सब नेता हमारे मिलकर काम करें। उस पूरे इलाके के अंदर लोग अब बहुत संतुष्ट हैं। कार्यकर्ताओं में अब इकट्ठा होकर काम करने की चाहत है। धवन ने कहा - जब सब लोग इकट्ठा होकर काम करने का संकल्प लेते हैं और वह संकल्प नीचे कार्यकर्ता तक पहुंचता है तो यह सकारात्मक है।

मदद के इंतजार में सिलिकोसिस मरीज

फरवरी से मरीजों को नहीं मिल रही आर्थिक सहायता; राज्य में 1200 से ज्यादा मामले पेंडिंग

जयपुर. कासं। राजस्थान में सिलिकोसिस मरीजों को आर्थिक सहायता देने के लिए सरकार ने भले ही अलग से इसकी व्यवस्था कर रखी हो, लेकिन सच्चाई ये है नए मरीजों को सरकार की इस सहायता के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ रहा है। पिछले तीन माह से विभाग ने नए रजिस्टर्ड मरीजों को आर्थिक सहायता ही जारी नहीं कर रहा। इस कारण मरीज अब पिछले लम्बे समय से सीएमएचओ ऑफिस और ई-मित्रों के चक्कर काट रहे है। हालांकि इस मामले में विशेष योग्यजन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमारी तरफ से किसी भी मामले को पेंडिंग रखा नहीं जा रहा। डिस्टिक मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट (डीएफएफटी) की ओर से जो फण्ड आना है वह नहीं आ रहा। इस कारण पीडी खाते में बजट का अभाव है। जैसे ही पैसा आ जाएगा, सभी पेंडिंग मामले निस्तारित करते हुए उनका भुगतान कर दिया जाएगा।

रजिस्टर्ड होने पर मिलती है 3 लाख रुपए की सहायता

सरकार की ओर से बनाई गई नई न्यूमोकोनोसिस (सिलिकोसिस) नीति के तहत किसी भी व्यक्ति के सिलिकोसिस होने और उसका प्रमाण पत्र जारी होने पर तुरंत 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देती है। वहीं रजिस्टर्ड सिलिकोसिस मरीज की मृत्यु के बाद उसके आश्रित परिजन को 2 लाख रुपए की सहायता देती है। इसके अलावा पीड़ित को 1500 रुपए महीने की पेंशन, मरीज के बच्चों को पालनाहार योजना के तहत 500 से लेकर 1000 रुपए सहायता राशि देती है। लेकिन पिछले 3 माह से रजिस्टर्ड नए मरीजों को 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता नहीं मिल रही।

1200 से ज्यादा मामले लंबित

राजस्थान में सभी 33 जिलों की रिपोर्ट देखे तो 1200 से ज्यादा मामले पेंडिंग पड़े है, जिनको सहायता राशि का इंतजार है। इसमें सबसे ज्यादा मामले नए रजिस्टर्ड मरीजों के है। सूत्रों के मुताबिक नए रजिस्टर्ड मरीजों को फरवरी के बाद से 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का भुगतान नहीं हो रहा। केवल डेथ केस में ही आश्रितों को 2 लाख रुपए की सहायता राशि उपलब्ध करवाई जा रही है।

येलो फीवर वैक्सीनेशन केंद्र का हुआ शुभारंभ

अफ्रीकी देश की यात्रा करने वाले यात्रियों को मिलेगा फायदा

जयपुर. कासं

राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस), जयपुर में आज येलो फीवर टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन किया। राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, आरयूएचएस के वीसी डॉ सुधीर भंडारी, फोर्टी के चेयरमैन सुरेश अग्रवाल इस दौरान मौजूद रहे। इस अवसर पर अरोड़ा ने बताया कि अफ्रीकी व कुछ मध्य अमरीकी देशों में येलो फीवर का प्रकोप होने के कारण वहां यात्रा करने से पहले इसका टीका लगवाना जरूरी होता है। जयपुर से हर माह 300 से 400 लोग येलो फीवर से प्रभावित देशों में जाते हैं। आरयूएचएस में इस केंद्र के शुभारंभ से उन सभी लोगों को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि कोरोना के समय भी आरयूएचएस में ही लोगों को सरकार ने बेहतर इलाज मुहैया करवाया था। अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रयासों का असर है कि राजस्थान आज देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में मेडिकल हब के रूप में भी विकसित हो रहा है। यहां का सवाई मानसिंह हॉस्पिटल आज अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ भारत का चुनिंदा बड़े हॉस्पिटल की लिस्ट में आ चुका है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मैत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय,सांगानेर जयपुर के विशाल परिसर में मैत्री जयपुर ग्रुप सदस्यों के साथ- साथ अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के पुर्व अध्यक्ष व संस्कृत महाविद्यालय के अध्यक्ष एन के सेठी मन्त्री महेश चांदवाड, फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल - नीलिमा बिलाला, फेडरेशन कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन, मैत्री ग्रुप के अध्यक्ष सुनील बड़जात्या एवं निवर्तमान अध्यक्ष रमेश सोगानी कोषाध्यक्ष रविन्द्र अजमेरा विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार जैन शास्त्री एवम् प्रिंसिपल महोदया व कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम के शुभारंभ मंगलाचरण के द्वारा किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका साहब द्वारा ऑनलाइन सम्बोधन से शुरूवात किया गया ग्रुप सदस्यों द्वारा संस्था के आवश्यकता अनुसार पूरे परिसर के बाउंड्री वॉल के पास पास अशोक के वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। एन के सेठी ने संस्कृत कालेज के बारे मे विस्तृत जानकारी दी एवं वृक्षारोपण कार्य के लिए आए सभी सदस्यों का स्वागत किया। नवीन सेन जैन ने फेडरेशन के बारे में जानकारी प्रदान की। फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला ने फेडरेशन व आज के सम्पूर्ण भारत में फेडरेशन द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्य के लिए जानकारी देते हुए एन के सेठी को फेडरेशन से प्रत्यक्ष रुप से जुड़ने के लिए स्वीकृती प्रदान करने का आग्रह किया। अध्यक्ष सुनील बड़जात्या ने पधारे हुए सभी सम्मानित पधाधिकारी एवम्ग्रुप सदस्यों का धन्यवाद प्रेषित किया। अन्त में शान्तिपाठ कर कार्यक्रम का समापन किया।

पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में ए. आर. एल प्रजेंट्स ''**पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप**'' का आयोजन आर. के.मार्बल ग्रुप के सहयोग से अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा किया जा रहा है। जिसमे आठ वर्ष से बीस वर्ष आयु वर्ग के दो सौ पचास बच्चें सीख रहे है समन्वय,सामन्जस्य,संस्कार,भाव अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व विकास,एकाग्रता, सहनशीलता, आर्ट एन्ड क्राफ्ट, ड्रॉइंग एन्ड पैंटींग,डांस इन सभी विषयों का प्रशिक्षण जवाहर कला केंद्र, रविन्द्र मंच, राजस्थान संगीत संस्थान,ललित कला अकादमी से जुड़े बीस प्रशिक्षिकों द्वारा जयपुर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी दुगार्पुरा,श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट मानसरोवर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर विवेक विहार, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंगल विहार,धूप छाँव फाउन्डेशन वैशाली नगर, अनुप्रिया ए-तेरह महेश नगर, बीकन पब्लिक स्कूल मुरलीपुरा में आयोजित की जा रही है। समाज श्रेष्ठी नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया ने बताया कि इतने वृहद स्तर पर जैन समाज मे पहली बार इस तरह की कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमे बच्चों

के साथ-साथ उनके माता पिता भी उत्साह दिखा रहे है,आज से पहले बच्चों के सर्वांगीण विकास की ओर किसी ने ध्यान नही दिया जो कि आज के बदलते समय मे बच्चों के लिए बहुत जरूरी है इसी को देखते हुए अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा अजय जैन मोहनबाड़ी ने इस ओर कदम बढ़ाते हुए एक पहल की,इस कार्यशाला का उद्देश्य यही है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ साथ सही मार्गदर्शन देते हुए एक प्लेटफार्म तक पहुँचाया जाए ओर उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखार कर सामने लाया जाए। साथ ही कार्यशाला की मुख्य समन्वयक शीला डोडिया समन्वयक डॉ वन्दना जैन, शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि ये सिर्फ समर कैम्प ही नहीं है इस कार्यशाला में बच्चों को सामाजिक संस्कार भी दिए जा रहे है साथ ही बच्चों को प्रतिदिन एक नई कहानी सुनाई जाती है जिस पर बच्चें स्वयं ही नाटक तैयार करेंगे जिसमें समाज मे व्याप्त बुराइयों को दर्शाया जाएगा और समाज को शिक्षाप्रद संदेश देगा। लेखक निर्देशक तपन भट्ट व कार्यशाला निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया कि इस कार्यशाला का समापन महावीर स्कूल के मुख्य सभागार में 28 जून से 30 जून तक तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया जाएगा जिसमे अलग अलग ग्रुप द्वारा बच्चों की नाटक व डांस की प्रस्तुतियां होगी व बच्चों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्रॉइंग एन्ड पैंटिंग की प्रर्दशनी भी लगाई जाएगी।

वेद ज्ञान

प्रकृति और मनुष्य

ईश्वर ने हर जीव को जो कुछ दिया है, उसके कर्मों और पात्रता के अनुसार दिया है। मनुष्य इसके बाद भी संतुष्ट नहीं है और ईश्वर की सत्ता और व्यवस्था में किसी न किसी भांति दखल देता रहता है। मनुष्य की सोच है कि वह इससे उत्तम परिस्थितियां उत्पन्न कर सकता है। उसने पहाड़, जंगल, पेड़ काट डाले, नदियों के रुख मोड़ दिए और वह खनिजों का दोहन कर रहा है। वातावरण पर नियंत्रण करना चाहता है और अपनी गढ़ी हुई परिभाषा के अनुरूप सुख प्राप्त करना चाहता है। यह परमात्मा के प्रति एक तरह का अविश्वास है। सृष्टि में जो कुछ है, प्रचुरता में है और जीव के उपभोग के लिए है। सामान्य उपभोग से न तो फल, वनस्पतियां और खाद्यान्न समाप्त होने वाले हैं और न जल। वायु भी कभी चुकने वाली नहीं है। मनुष्य के अविवेक और अधीरता ने इन पर भी संकट खड़ा कर दिया है। मनुष्य अपने प्रारब्ध से अधिक पाना चाहता है-वह भी ईश्वरीय व्यवस्था को भंग कर के। वह कितना भी चातुर्य प्रदर्शित कर ले ईश्वर की उच्चता को नहीं पा सकता। इस कारण अंततः दुखी होता है। एक बार एक कुशल मूर्तिकार ने अपने जैसी कई मूर्तियां बना लीं और उनमें छिप कर बैठ गया ताकि यमराज के दूत उसे लेने आएं तो पहचान न सकें। वक्त आने पर जब दूत आए तो उसे पहचान न सके और यमराज को जाकर सारी बात बताई। यमराज ने एक युक्ति बता कर अपने दूत पुनः भेजे। दूतों ने आकर कहा कि वाह तुम तो बड़े कुशल मूर्तिकार हो, किंतु एक गलती कर गए हो। मूर्तिकार का अहं जाग गया और वह तुरंत दहाड़ कर बोला कि मैं कोई गलती कर ही नहीं सकता। वास्तव में यह अहंकार ही उसकी सबसे बड़ी गलती थी जिससे यमराज के दूतों ने उसे पहचान लिया। आज मनुष्य के साथ भी यही हो रहा है। अपने अहंकार के चलते वह विध्वंस की ओर बढ़ रहा है। यदि पृथ्वी पर पेड़ों, पहाड़ों, नदियों की आवश्यकता न होती तो ईश्वर उनकी रचना क्यों करता। मौसमों का बदलना, दिन और रात का होना, जन्म और मृत्यु सभी किसी विधान के तहत हैं।

संपादकीय

भाजपा को बेहद नुकसान पहुंचा रहा पहलवानों का आंदोलन!

दिल्ली में जारी महिला पहलवानों के आंदोलन ने अब बीजेपी को परेशान करना शुरू कर दिया है। जिस आंदोलन पर पहले पार्टी चुप्पी साधे बैठी थी, अब उसे भी लगने लगा है कि मामला ज्यादा बिगड़ गया है, राष्ट्रीय हो गया है, और सबसे बड़ी चिंता- महिला सुरक्षा से इसका सीधा कनेक्शन बैठ गया है। अब इस बदलते माहौल से बीजेपी भी परेशान है, उसे भी लगने लगा है कि इस मामले को बेहतर तरह से संभाला जा सकता था। वैसे उस दिशा में कदम तो जरूर बढ़ाया गया है, गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह से पहलवानों से मुलाकात की, जिस तरह से उन्हें आश्वासन दिया गया, स्थिति को सुधारने की कोशिश जरूर हुई है। अब ये कोशिश कितनी रंग लाई, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन इतना स्पष्ट है कि ये मुद्दा धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय भी बन सकता है। इस बात को बीजेपी बखूबी समझ रही है, ऐसे में पूरी कोशिश है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले इस मामले को सुलझा लिया जाए, या फिर उस स्थिति पर तो इसे जरूर लाया जाए जिससे विवाद ठंडा पड़ सके। जानकारी के लिए बता दें कि पीएम मोदी 21 से 24 जून के लिए अमेरिका दौरे पर जाने वाले हैं। वो दौरा भारत के लिए काफी अहम है, कई करार हो सकते हैं, ऐसे में किसी भी तरह के विवाद से दूर रहने की जरूरत है। इस समय पार्टी दो धड़ों में बंटी नजर आ रही है, एक ब्रजभूषण के खिलाफ खड़ा है तो दूसरा अभी समर्थन में है, लेकिन एक बात से पूरी पार्टी सहमत है- इस विवाद से बड़ा नुकसान हुआ है, छवि धूमिल हुई है। बीजेपी के चार नेताओं ने तो इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए इस बात को माना है कि स्थिति को और बेहतर तरीके से हैंडल किया जा सकता था, इसे इतना आगे नहीं बढ़ने देना था। बीजेपी सांसद मेनका गांधी, प्रतिम मुंडे तो पब्लिक में कह चुके हैं कि पहलवानों को न्याय मिलना चाहिए। वैसे इस पूरे विवाद का एक और एंगल है जिसे पार्टी अब समझने लगी है। असल में ये सिर्फ पहलवानों का धरना नहीं है, ये महिला पहलवानों का धरना है। 2014 के बाद से बीजेपी को महिला वोटर का अच्छा समर्थन मिला है, उज्जवला जैसी योजनाओं ने बीजेपी को काफी लोकप्रिय कर दिया है। लेकिन उस बीच इस आंदोलन ने पार्टी के मन में एक डर डाल दिया है। इस बारे में एक बीजेपी नेता ने कहा है कि कोई कारण नहीं था कि इस विवाद को इतना आगे तक बढ़ाया जाए। लेकिन ये मानना पड़ेगा कि ऐसा नहीं सोचा गया था कि आंदोलन अचानक से इतना तेज हो जाएगा। अब तो इस आंदोलन को महिलाओं के मुद्दों के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। वैसे पार्टी एक बात और मानने लगी है, इस आंदोलन की वजह से विपक्ष एकजुट हो रहा है। जिस तरह से पहले किसान आंदोलन के वक्त विपक्षी एकता देखने को मिली थी और सरकार पर दबाव पड़ा था, अब इस पहलवानों के आंदोलन में भी वहीं विपक्षी एकता सामने आ रही है। इसका जिक्र भी पार्टी नेता करने लगे हैं, यानी कि चुनौतियां सामने खड़ी हैं, 2024 का चुनाव पास है और आंदोलन अभी तक जारी है, पार्टी आगे क्या कदम उठाती है, इस पर सभी की नजर रहेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नई राहों की तलाश

कर्नाटक की हार के बाद दक्षिण में बीजेपी और ज्यादा कमजोर हो गई है। उसे नए अवसर तलाशने हैं, नए साथियों की जरूरत है और फिर दक्षिण में कहां से एंट्री की जाए, इस पर विचार करना है। कर्नाटक की हार के बाद दक्षिण में बीजेपी और ज्यादा कमजोर हो गई है। उसे नए अवसर तलाशने हैं, नए साथियों की जरूरत है और फिर दक्षिण में कहां से एंट्री की जाए, इस पर विचार करना है। आंध्र प्रदेश भी एक ऐसा राज्य है जहां पर बीजेपी लंबे समय से अपनी पैठ जमाना चाहती है। लेकिन सवाल ये उठता है कि कैसे? इसकी एक झलक देखने को मिल गई है, लेकिन पार्टी किस तरफ जाएगी, इसकी स्पष्टता नहीं। असल में कुछ दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। उस मुलाकात को संकेत माना गया कि चंद्रबाबू एक बार फिर एनडीए के साथ जुड़ सकते हैं। अगर ऐसा हो जाए तो आंध्र प्रदेश में बीजेपी को बड़ा बूस्टर मिलेगा। अब नायडू से मुलाकात हुई ही थी, केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बड़ी मदद कर दी। इस समय आंध्र प्रदेश में **Polavaram project** पर काम चल रहा है, ये एक डैम परियोजना है जिसके लिए सीएम काफी उत्साहित हैं। अब इसी प्रोजेक्ट के लिए अतिरिक्त फंड की जरूरत थी जो अब केंद्र सरकार ने रिलीज कर दिया है। कुल 12,911 करोड़ रुपये केंद्र ने दे दिए हैं, इस सहायता से ये प्रोजेक्ट जल्द ही पूरा हो जाएगा। यानी कि पिछले कुछ दिनों में दो बड़ी बातें हुईं- पहली चंद्रबाबू नायडू की वापसी की अटकलें और दूसरी रेड्डी की पार्टी में भी साथी की तलाश। अब बीजेपी कैसे संतुलन बैठाती है, किसे ज्यादा तवज्जो देती है, ये मायने रखता है। अभी नायडू और रेड्डी तो साथ नहीं आने वाले हैं, ऐसे में चयन बीजेपी को ही करना पड़ेगा। वैसे सीएम रेड्डी लगातार कई मामलों में केंद्र का समर्थन करते दिख रहे हैं। असल में इस समय एक गिव एंड टेक वाली पॉलिसी चल रही है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि केंद्र ने जब आंध्र के डैम परियोजना के लिए फंड रिलीज किया, रेड्डी की पार्टी ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार नहीं किया और विपक्ष को बड़ा झटका लगा। इसी तरह बात जब चंद्रबाबू नायडू की आती है तो उनके भी कुछ बयान ऐसे सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि उनकी बीजेपी के साथ तल्खी कुछ कम हुई है, इसके ऊपर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व भी फिर पसंद आने लगा है। वैसे नायडू को करीब लाने में तो बीजेपी की कोशिशें रही हैं, बात जब रेड्डी की आती है तो उन्होंने तो कई मुलाकात कर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए फंड्स का इंतजाम किया है। पीएम से लेकर वित्त मंत्री तक, उन्होंने कई बार मुलाकात की है। सीएम के लिए राहत की बात ये है कि हर बार केंद्र ने उनका पूरा सहयोग किया है, जितने फंड की जरूरत पड़ी, उतना दिया गया है। वैसे आंध्र प्रदेश से लोकसभा की 25 सीटें निकलती हैं, ऐसे में दक्षिण में ठीक ठाक प्रदर्शन करने के लिए पार्टी को दोनों नायडू और रेड्डी के साथ की जरूरत पड़ने वाली है। यहां ये समझना भी जरूरी हो जाता है कि पार्टी इस समय उन 120 सीटों पर अपना फोकस जमा रही है, जहां पर उसे पिछली बार हार मिली थी।

जेनेवा में आईएलओ के 111वें सत्र में WCREU महामंत्री मुकेश गालव रख रहे मजदूरों का पक्ष, राजनयिक, अफसरों से मुलाकात

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 111वें सत्र में भाग लेने के लिये हिन्द मजदूर सभा के राष्ट्रीय सचिव एवं वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन (डबलूसीआरईयू) के महामंत्री कॉमरेड मुकेश गालव जेनेवा-स्विटजरलैंड पहुंच चुके हैं, जहां वे भारत के मजदूरों का पक्ष मुखरता से रख रहे हैं। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाई यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि इस प्रवास के दौरान गालव ने स्विट्जरलैंड में भारत के एम्बेसडर इंद्रमणि पांडेय के साथ मुलाकात भी की। साथ ही चीफ लेबर सेक्रेट्री भारत सरकार श्रीमती आरती आहूजा के साथ भी मजदूरों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पूरे विश्व के 173 देशों के त्रिपक्षीय प्रतिनिधि (सरकार, उद्योगपति एवं श्रम संगठनों) इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। यह प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय श्रम मंत्री भारत सरकार के नेतृत्व में भाग लेने जेनेवा पहुंचा हुआ है। इस सम्मेलन में श्रम कानून, श्रमिकों की बेहतर स्थिति, उत्कृष्ट कार्य, लैंगिक समानता एवं श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर संयुक्त रूप से सरकार, उद्योगपति एवं श्रम संगठनों के प्रतिनिधि अपने अपने दृष्टिकोण से सर्वसम्मति बनाकर रिकमंडेशन एवं कन्वेंशन पारित होती है। जिसको नैतिकता के आधार पर समस्त सदस्य देश अपने अपने देशों में लागू करते है. इसके अतिरिक्त पूर्व में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में पारित कन्वेंशन का जिन जिन देशों में उल्लंघन होता है। ऐसी परिस्थिति में संबंधित देशों पर निरीक्षण कार्यवाही पर भी वार्ता कर समुचित निर्देश पारित किये जाते हैं। सम्मेलन में कॉमरेड मुकेश गालव भारत के मजदूरों का पक्ष रख रहे हैं।

बिरसा मुंडा

बिरसा मुंडा जी की बात अलग थी।
दुश्मनों (अंग्रेजों) के आगे,
उनकी बिसात अलग थी।
थर थर कांपा करते।
दुश्मन उनके आगे,
कौम के हकों के खातिर सदा,
उलगुलान उनका जारी था।
बंद जेलों में भी साहस,
सबसे भारी था ।
जल,जंगल,जमीन की,
रक्षा खातिर भरी जवानी में,
ही शहीद हो गए।
हर एक युवा के मन में,
अमिट छाप छोड़ गए।
इतिहास के पन्नों में अंकित
उनका बलिदान हो गया।
जय जोहार, जय जोहार,
उद्घोष से संपूर्ण ब्रह्मांड हो गया।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

परमात्मा की वाणी को जीवन मे समावेश करोगे तभी संसार से प्राणी मुक्ति पा सकता है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

राजसमंद । भावो मे शुध्दता व पवित्रता के साथ परमात्मा का नाम स्मरण करने वाला प्राणी ही संसार से मुक्ति पा सकता है। गुरुवार को महावीर भवन जैन स्थानक मे प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने धर्मसभा मे श्रध्दालूओ को सम्बोधित करतें हुये कहा कि मानव की आत्मा संसार सागर मे अनंत काल से जीवयोनियो से मुक्ति पाने को भटक रही है। वही आत्मा संसार से तिर पाएगी जो धर्म मे संलग्न होकर परमात्मा की वितराग वाणी को जीवन मे समावेश करके मनुष्य परमार्थ करेगा तभी योनियों के चक्रव्यूह से इस आत्मा को सदा सदा के लिये मुक्त करा पाएगा । धर्मसभा मे युवा प्रणेता महेश मुनि व बालयोगी अखिलेश मुनि ने भजन के माध्यम से जीवन जिने का सदमार्ग बताया । धर्मसभा से पूर्व श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष देवीलाल हिंगड़, महामंत्री रोशनलाल डांगी,डॉ गोवर्धनलाल हिंगड़, कोषाध्यक्ष सागरमल चंडालिया, दलपतसिंह बोलिया, हरकलाल चपलोत , नवरतन डोसी, पूरणमल पीपाड़ा, चंद्र प्रकाश सियाल, अशोक पामेचा, मुकेश पामेचा, रौनक पीपाड़ा, भेरुलाल हिंगड़, अम्बालाल सिंघवी, मांगीलाल देवासी आदि अनेकों श्रावक श्राविकाओ के अलावा उद्योगपति मांगीलाल लुणावत, ओकारसिंह सिरोया,लक्ष्मीलाल वडाला दिलीप लोढ़ा,लक्ष्मीलाल डागलिया नंदलाल डागलिया, बेबी बहन डागलिया आदि सभी ने गुरूभगवंतो की अगवानी करतें हुये जयघोष के नारो के साथ मुनिराजो का अभिनन्दन किया गया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि महावीर भवन जैन स्थानक मे शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक संतो के प्रवचन रहेंगे।

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज का तिलक नगर में मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य रत्नाकर विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्याय 108 ऊर्जयंत सागर जी महाराज का तिलक नगर में गाजे-बाजे के साथ उल्लास व उमंग के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ जिसमें तिलक नगर के बंधुओं माताओं बहनों में हर्ष छा गया। समाजसेवी शिखर चंद बैराठी व परिवार जनों ने महाराज श्री का पाद प्रक्षालन किया। इस अवसर पर महाराज श्री के स्वागत के लिए दिगंबर जैन समिति तिलक नगर के अध्यक्ष ऋषभ सेठी, पूर्व मंत्री महेंद्र बैराठी और बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाऐं उपस्थित थे। शुक्रवार को दिगंबर जैन मंदिर तिलक नगर विजयपथ में महाराज श्री का प्रवचन सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक होगा।

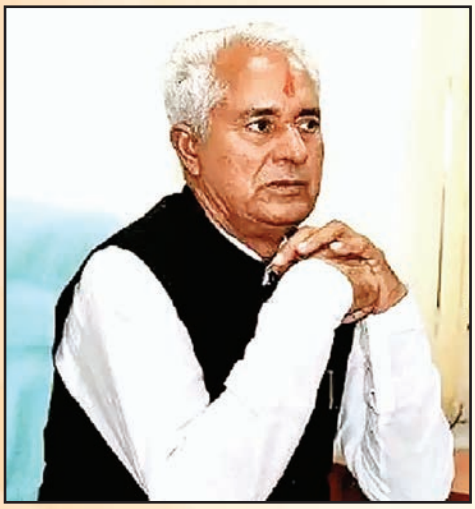

आदरणीय परसादी लाल मीणा
स्वास्थ्य और राज्य उत्पाद शुल्क मंत्री

आदरणीय अशोक गहलोत : मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार

नवीन सांघी

को फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया में

फिर सदस्य बनाकर बड़ी जिम्मेदारी देने पर माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा का

हार्दिक आभार

शुभेच्छु : समस्त मित्रगण व परिवारजन

बेटे-बेटियों को संस्कार देना अभिभावकों की जिम्मेदारीः ज्ञानभूषण महाराज

मनोज्ञ धाम कमेटी का हुआ गठन, रूपेश जैन भजन संध्या आयोजित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मेरठ मनोज्ञ धाम। बेटे बेटियों को संस्कार देना अभिभावकों की जिम्मेदारी है और उन्हें इसका निर्वहन बड़ी शिद्दत के साथ करना चाहिए। वर्तमान में कई गलत शक्तियां अपने जाल में फंसाने के लिए तैयार बैठी हैं और परिणाम आ भी रहे हैं कि हमारे बेटे बेटियां धर्मांतरण, लवजिहाद जैसे विषयों का शिकार हो रहे हैं । अतः हमें उन्हें सजग, जागृत करना होगा और यह जिम्मेदारी अभिभावकों को उठानी होगी । उक्त विचार परम पूज्य वात्सल्य मूर्ति आचार्य श्री ज्ञानभूषण जी महाराज ने 26 वें दीक्षा दिवस समारोह के अवसर पर केशव गार्डन मोहिद्दीन पुर मनोज्ञ धाम वात्सल्य ट्रस्ट समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रकट किए। कार्यक्रम का शुभारंभ अशोक जैन राहुल जैन सीकरी द्वारा ध्वजारोहण एवं महावीरप्रसाद संतोष जैन सीकरी द्वारा मंच उद्घघाटन के साथ हुआ ।चित्र अनावरण विपिन जैन रुचि जैन रोहतक परिवार एवं दीप प्रज्ज्वलन धनश्याम दास ललित जैन परिवार बुध विहार दिल्ली ने किया। इस अवसर पर सघस्थ ब्रह्मचारिणी भारती दीदी ने मंगलाचरण कर गुरु वंदना की, ज्ञानचंद जैन अशोक कुमार परिवार अगोन फिरोजपुर झिरका को पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। **गुरु पूजन की भक्तों में लगी होड़ः-** जैसे ही मंच संचालक अशोक जैन मंत्री ने गुरु पूजन के पात्रों के चयन की घोषणा की तो गुरु भक्तों में होड़ सी लग गई और एक साथ कई हाथ खड़े हो गए। संगीत की मधुर लहरियों पर श्रावक श्रेष्ठियों द्वारा गुरु पूजन की गई तो 26 परिवारों द्वारा शास्त्र भेंट किये गये। संघस्थ धर्म प्रभाविका क्षुल्लिका ज्ञानगंगा माताजी ने कहा कि गुरु शब्द की कोई उपमा नही दी जा सकती।

मंदिर महासंघ ने टोंक जिले के दिगम्बर जैन मंदिरो का सर्वेक्षण कार्य किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जैन पाटनी एवं महामंत्री राजकुमार कोठ्यारी के निर्देशन में टोंक जिले के दिगम्बर जैन मंदिरो का सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी मे बुधवार 7 जून, को संयोजक योगेश टोडरका के नेतृत्व में विपिन बज, प्रदीप ठोलिया, निर्मल कासलीवाल, नेमीचंद बाकलीवाल ने मालपुरा के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पाण्डु शिला आर्दशनगर, श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर बृजलाल नगर, श्री मुनिसुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर पिनणी, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर नवीन मण्डी, श्री आदिनाथ चैत्यालय नवीन मण्डी, श्री महावीर चैत्यालय नवीन मण्डी, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (तीन देवरिया), श्री दिगंबर जैन मंदिर टोडान, श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर चौधरियान , श्री महावीर स्वामी चैत्यालय जैन मौहल्ला, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर तेरापन्थी, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मण्डी का, सहित श्री दिगंबर जैन मंदिर (छोटा) पचेवर, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचायत बड़ा मन्दिर पचेवर, श्री दिगंबर जैन मंदिर पारली, श्री दिगम्बर जैन मंदिर डोरीया; के मन्दिरो का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया। उल्लेखनीय है कि मंदिर महासंघ द्वारा टोंक जिले के दिगम्बर जैन मंदिरो के सर्वेक्षण कार्य से पूर्व दौसा सवाईमाधोपुर, करौली, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर, जोधपुर आदि जिलों के दिगम्बर जैन मंदिरों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर परिचय पुस्तक का प्रकाशन किया जा चुका है।

तीये की बैठक

श्री प्रशान्त (पिंकू)

का आकस्मिक निधन 8 जून को हो गया है।

तीये की बैठक शनिवार 10 जून को सुबह 8.30 भट्टारक जी की नसियां पर होगी।

-:शोकाकुलः-

महेश-सुशीला (पिताजी-माताजी), जैना (धर्मपत्नी) कोपल (पुत्री),
पंकज (रिंकू)-मलिका, मनीष-अक्षिता, संकेत-कृति, अंकित-अदिति (भाई-भाभी)
कोकिला (दादी), विजय-कान्ता (दादा-दादी), प्रेमदेवी (ताई), सुरेश (टिक्कू)-मंजू,
दिनेश-शशि, नरेश-सूर्या, अशोक-रेणु (चाचा-चाची), रेखा-राजेन्द्र जी लुहाडिया (बुआ-फूफाजी)
नितिका-अभिषेक जी, नेहा-आशीष जी, (बहन-बहनोई), नैंसी (बहन), गजेन्द्र जी (बहनोई)
परी, सिद्दी, दित्वी, अनायरा, विनायक (भतीजी-भतीजा) प्रेक्षा, दिव्य (भांजी- भांजा)
एवम समस्त बडजात्या परिवार (चौमूं वाले)
सुसराल पक्षः इन्दुदेवी (सास) जिनेश-स्वेता (साला-सलहज) एवं समस्त बेगस्या परिवार

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सब कुछ मन के अनुसार हो ये जरूरी नहीं है मन को अनुशासित करना सीखें : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने श्री फल भेंट किए

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

सब कुछ मन के अनुसार हो ये जरूरी नहीं है हम जो ठानले वहीं भी हो सकता है हमें इस ओर कदम बढ़ा ने की आवश्यकता है मन की शान्ति को बनाये रखें। मन की शान्ति को नहीं छोड़ाना है थोड़ी सी प्रतिकूलता में आप अपना धैर्य खो देते हैं मन की शान्ति के लिए धैर्य का होना बहुत जरूरी है मन को संयमित बनाये आपका सौभाग्य है कि आप भारतीय वसुंधरा पर जन्मे हैं तो हम अपनी संस्कृति संस्कार और के साथ सभ्यता को बनाये रखें मन की चंचलता के कारण ही तो मन को बंदर की उपमा दी है इसी चंचलता को रोकना है उक्त आश्य के उद्गार मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने करगुआ तीर्थ झांसी में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघाई के नेतृत्व में थूवोनजी तीर्थ कमेटी ने मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में चातुर्मास का निवेदन करते हुए कहा कि हम सब वर्षों से तीर्थ स्थल पर चातुर्मास के लिए प्रयास कर रहे हैं आप का जब से अंचल में पदार्पण हुआ है कमेटी सभी व्यवस्थाओं सुन्दर से सुन्दर बनाने के लिए संकल्पित है हर बार हम पिछड़ जाते हैं गुरु देव इस बार हमे आप ऐसा आशीर्वाद दे कि हम अपने उद्देश्य में सफल हो इस दौरान कमेटी के निर्माणमंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचन्देरी सुनील घेलू पवन धुर्रा युवी जैन युवराज वीर जैन सहित अन्य भक्तों ने परम पूज्य का आशीर्वाद प्राप्त किया।

संसार के स्वभाव को समझना पड़ेगा

उन्होंने कहा कि संसार का जो स्वभाव है उसे समझना पड़ेगा जिसे आप बचाना चाहते हैं वहीं आपको धोका दे देता है इस संसार में जिसे आप शरण लेते हैं वहीं पंख काट देते हैं आप क्या करेंगे एक कहानी आतीं हैं कि दो चूहों को कोई मारने वाला था उसे हंस ने अपने पंखों में छिपा लिया चूहे तो बच गये उस हंस ने उड़ान भरने को पंख फैलाए तो पंख तो कट चुके थे तव वह हंस चूहे से कहता है ये तुमने क्या किया चूहे कहते हैं ये तो मेरा स्वभाव है ऐसा ही है इस संसार का स्वरूप सृष्टि के स्वरूप को समझगे तब ही आपको ज्ञान होगा कोयले की खान से ही हीरा निकलता है।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए

मुनिश्री ने कहा कि दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए दुर्भाग्य को आप सौभाग्य में बदल सकते हैं और यदि हमारे कर्म खराब होंगे तो सौभाग्य भी दुर्भाग्य में वदल जायेगा इसलिए जीवन में ऐसा काम करें कि दुर्भाग्य सौभाग्य में बदले। भाग्य कोई बड़ी बात नहीं है आज का पुरूषार्थ ही तो कल का भाग्य है हम दुसरो के हक को मार नहीं सकते हम। जिंदगी में मुस्कुराहट बढ़े इसके लिए दूसरो के चेहरे पर खुशी लाने को कोई मौके ना खये खुशी छोटी छोटी चीजों में मिल जाती है हम उसकी कीमत नहीं समझते हम खुशियों को खोजते रहना चाहिए एक छोटे से वच्चे के लिए एक टोफी खुश कर देती है लेकिन हमारा ध्यान उस ओर जाता ही नहीं है आप किसी के घर जाते हैं तो उन्हें किस तरह से खुश कर सकते हैं कभी ध्यान ही नहीं दिया।

08-06-2023

जन्म दिवस के 49वें वर्ष में प्रवेश करने पर

श्री अनन्त जी मोदी

को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु: सुरेन्द्र कुमार मोदी, सुलोचना मोदी, देवेन्द्र कुमार मोदी, त्रिशला मोदी, कीर्ति मोदी, नितेश मोदी, निधि मोदी, विभोर मोदी, इति मोदी, रोमिल-मानवी, धवल, जियाना, स्नेहलता पाटनी, शशि गोधा, नितिका, पियुष जैन अजमेर।

बच्चों ने दिये पर्यावरण सहेजने के संदेश

जेसीआई मुरैना ने रखी प्रतियोगिता, विजेताओं को दिए पुरस्कार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। पर्यावरण दिवस पर जेसीआई मुरेना जाग्रति ने पर्यावरण सहेजने हेतु प्रयोगिताओं का आयोजन किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। बच्चों में पर्यावरण की समझ बढ़ाने और इसे संतुलित रखने की प्रेरणा देने के लिए जेसीआई मुरैना जागृति ने जैन संस्कृत विद्यालय में ड्राइंग व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले बच्चों ने शानदार स्लोगन और चित्र बनाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विजयी रहे बच्चों को जेसीआई की ओर से पुरस्कार प्रदान किये गए। इस अवसर पर जेसीआई मेम्बर्स के अलावा विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। बच्चों द्वारा स्लोगन व ड्रॉइंग तैयार किये जाने से पहले जेसीआई मेम्बर्स ने उन्हें पर्यावरण की सामान्य जानकारी दी और मानव जीवन के लिए इसके महत्व से अवगत कराया। जेसीआई की मेंटर एवं मां स्वास्ति इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर भावना जैन ने कहा कि हमारे चारों तरफ का प्राकृतिक आवरण जो हमें सरलता पूर्वक जीवन यापन करने में सहायक होता है, पर्यावरण कहलाता है। पर्यावरण से ही हमें जीने के लिए सभी संसाधन प्राप्त होते हैं। इसलिए हमारा पर्यावरण भी हमसे कुछ सहयोग की अपेक्षा रखता है। जेसीआई की अध्यक्ष ज्योति मोदी ने कहा कि तकनीक के अंधाधुंध उपयोग की वजह से दिन प्रतिदिन हम अपने पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए पर्यावरण की वास्तविकता को बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। प्रतियोगिता के बाद जूरी मेम्बर्स नीतू भोला और शुभि जैन ने विजेता बच्चों के नाम तय किये। अंत में बड़े बच्चों के ग्रुप से अतिशय जैन को प्रथम, अभिषेक जैन को द्वितीय एवं छोटे बच्चों के ग्रुप से अनिमेष जैन को प्रथम पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में जेसीआई की सचिव सारिका सिंघल, कोषाध्यक्ष बीनू अग्रवाल सहित अन्य मेम्बर्स उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महिलाओं ने पौधरोपण भी किया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जेसीआई मुरैना जागृति की सदस्यों ने अपने-अपने घरों के अलावा आसपास स्थित पार्क व अन्य स्थानों पर जाकर पौधरोपण भी किया। उन्होंने वृक्षों के देखभाल की जिम्मेदारी भी ली, ताकि वे सुरक्षित रहें। जेसीआई मेम्बर्स ने संकल्प लिया कि इस वर्ष पूरे मानसून के दौरान वे विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण करेंगी और लोगों को इस मुहिम से जुड़ने की प्रेरणा देंगी। ताकि हमारा पर्यावरण सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 500 से अधिक पौधे लगाने ला लक्ष्य तय किया गया है।

संगिनी कैपिटल की सदस्याओं ने सेवा कार्य कर मनाया स्थापना दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाज सेवा में अग्रणी संगिनी फोरम जेएसजी कैपिटल की सदस्याओं ने सेवा कार्य की श्रृंखला में कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ स्थापना दिवस मनाया। प्रतापनगर सैक्टर 6 स्थित सेंट ज्यूड इण्डिया चाईल्ड केयर सेंटर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को फल, मिठाई , गिफ्ट वितरण कर सभी बच्चों को अल्पाहार भी करवाया गया। इस पुनीत कार्य में संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन, अध्यक्ष शकुंतला पांड्या, सचिव अलका जैन सहित सुनीता पाटोदी, सुनीता काला,समता गोदीका, हेमा सौगानी, सपना गोदिका, मंजू बज, एवं चित्रा सेठ एवं सुधीर गोधा ने सहभागिता निभाई। अध्यक्ष शकुन्तला पाण्डया ने बताया कि उपस्थित सभी सदस्यों ने केयर सेंटर में विजीट करके वहां पर बच्चों के रहने,खाने- पीने,ईलाज व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। सचिव अलका जैन ने बताया कि वहां पर कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी रहते हैं और सभी को अपनी अपनी अलग रसोई भी दी हुई है, जिसमें वे लोग बच्चों की हेल्थ को ध्यान में रखते हुए बच्चों की पसंद का खाना बना सकते हैं।वहां जाकर हम सभी को एक अलग ही अनुभव प्राप्त हुआ।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद का प्रशिक्षण शिविर, अधिवेशन व पुरस्कार अलंकरण समारोह उत्साह पूर्वक सम्पन्न

विद्वान जैनधर्म के सैनिक हैं : गणनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी

सोनागिर, दतिया. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के तत्वावधान में सिद्धक्षेत्र सोनागिर के आतिथ्य में मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज ससंघ,गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में सिद्धक्षेत्र सोनागिर में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद का प्रशिक्षण शिविर, अधिवेशन व पुरस्कार अलंकरण, समारोह 29 मई से 4 जून 2023 तक डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत की अध्यक्षता में उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ विद्वानों द्वारा विविध विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें तत्त्वार्थ सूत्र- डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, मंत्र विन्यास एवं मंत्र प्रयोग- ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़, वास्तु- राजेन्द्र जैन वास्तुविद इंदौर, ज्योतिष- ब्र. रविन्द्र भैया ने प्रशिक्षण प्रदान किया। 3 और 4 जून को वार्षिक अधिवेशन, कार्यकारिणी बैठक, पुरस्कार अलंकरण एवं स्मृति ग्रंथ लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। आयोजन में आचार्य श्री सौभाग्य सागर जी महाराज, आर्यिका लक्ष्मी भूषण माता जी, क्षुल्लिका पूजा -भक्ति माता जी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। **अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद द्वारा विद्वान हुए पुरस्कृत :** 3 जून को प्रातः बेला के सत्र में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले पुरस्कार एवं उपाधि अलंकरण के अंतर्गत श्रीमती हीराबाई जैन स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार ब्रह्मचारी विनोद भैया छतरपुर, श्रेष्ठी जोरावल-रजनी देवी स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार- पंडित हजारी पार्श्वनाथ शास्त्री श्रवणबेलगोला, श्रेष्ठी पवन विद्रोही स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार- पंडित कोमल चंद जैन नसीराबाद, डॉ कपूर चंद्र जैन स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार-डॉ. सोनल शास्त्री दिल्ली , अध्यात्म योगी आचार्य श्री विशुद्ध सागर शास्त्रि-परिषद पुरस्कार-डॉ निर्मल जैन विदिशा, पंडित प्रसन्न कुमार जैन स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार-पंडित मनीष जैन संजू टीकमगढ़ , श्रेष्ठी फूलचन्द्र सेठी स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार-पंडित अरविंद जैन शास्त्री रुड़की, पंडित बाबूलाल जमादार स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार- पंडित अरुण जैन जबलपुर, पंडित मन्नूलाल जैन प्रतिष्ठाचार्य स्मृति ट्रस्ट शास्त्रि-परिषद पुरस्कार- पंडित उदय चंद्र जैन कोटा , आर्यिका सर्वश्रेष्ठ मती माता जी स्मृति शास्त्रि-परिषद पुरस्कार-पंडित मनीष विद्यार्थी शाहगढ़ को समारोह पूर्वक समर्पित किया गया। प्रत्येक विद्वान को 11 हजार रुपये की राशि के साथ शाल, श्रीफल, माला, प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया वहीं इन विद्वानों के अतिरिक्त वरिष्ठ विद्वान पंडित देवेंद्र जैन सौरई को प्रतिष्ठाचार्य की उपाधि एवं पंडित संतोष कुमार जैन शाहगढ़ को विधानाचार्य की उपाधि से अलंकृत किया गया। संचालन परिषद के महामंत्री ब्र. जय कुमार निशांत भैया टीकमगढ़ ने किया। संयुक्त मंत्री पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस ने परिषद का परिचय प्रस्तुत किया। इस मौके पर देशभर के विभिन्न अंचलों से 125 विद्वानों की गरिमा पूर्ण उपस्थिति रही। श्री स्याद्वाद महाविद्यालय वाराणसी व गोपाल दिगम्बर जैन संस्कृत विद्यालय मुरैना के विद्यार्थी प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित रहे।

कलाकारों की दुनियां में भरोसे का नाम है कैमल

लेकसिटी में कैमल आर्टिस्ट एचडी एक्रेलिक की लॉन्चिंग

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी के स्थापित चित्रकारों सहित नवोदित कलाकारों के लिए गुरुवार की खुशगवार शाम एक अच्छी खबर लेकर आई, जब अंबामाता स्कीम स्थित टखमण आर्ट सेंटर पर कैमल कलर कंपनी की ओर से एचडी गुणवत्ता वाले आर्टिस्ट कलर (फोर सीरिज वाले) 30 शेड्स में टेस्ट डेमो के लिए प्रदर्शित किए गए। शहर के प्रमुख बापू बाजार स्थित कैमल डीलर कपूर ट्रेडर्स के प्रवीण कपूर ने बताया कि देश में आर्ट मैटीरियल में सबसे विश्वसनीय नाम कैमल के सैकड़ों आयटम सहित विविध किस्म के रंगों के कारण ही देश दुनियां में इस ब्रांड के निमार्ता, निर्यातक, वितरक, आपूर्तिकर्ता और थोक विक्रेताओं की खासी पूछ परख है। उसी कंपनी की ओर से भारत में पहली बार प्रयुक्त परिष्कृत तकनीक वाली इस रंग श्रृंखला को फिलहाल केवल आर्टिस्ट सप्लाई के लिए खास तौर पर यहां कमल सेठ द्वारा बुकिंग के माध्यम से 250 एमएल जार में उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर कमल सेठ ने झीलों की नगरी के दो वरिष्ठ चित्रकार प्रो.

शैल चोयल और प्रो. एल एल वर्मा के हाथों स्पेशल कैमल कलर शेड को उपस्थित सभी कलाकारों के टेस्ट/ट्रायल प्रयोजनार्थ उपलब्ध कराया। उन्होंने दावा किया कि इस नई रंग श्रृंखला का सहज उपयोग वे तमाम आर्टिस्ट कर पाएंगे जो ऑइल, वॉटर, पोस्टर या एक्रेलिक किसी भी मीडियम में सृजन करते हैं। इस तरह की सहूलियत पहले केवल विदेशी ब्रांड ही बना कर दिया करती थीं जो कमोबेश मुश्किल से और महंगे दामों पर भारतीय कलाकारों को मिलती थी। लेकिन अब भारतीय कंपनी कैमल ने अपने देश के हर छोटे बड़े कलाकार को इकोनॉमी रेंज में सारे शेड्स मुहैया करा दिए हैं। इन सारी जानकारियों के बाद कैमल कंपनी की ओर से सभी उपस्थित कलाकारों को टेस्ट/ ट्रायल के लिए नए कलर, ब्रश और कैनवास दिए गए तो कुछ कलाकारों ने तत्काल प्रतिक्रिया देते कहा कि कैमल है तो भरोसा है.... बाद में हर कलाकर ने आर्ट वर्क कर संतोष जताया और अपनी जरूरत मुताबिक बुकिंग भी सुनिश्चित की। टखमण आर्ट सेंटर सचिव और समन्वयक संदीप पालीवाल ने बताया कि बुकिंग और टेस्टिंग की यही प्रक्रिया शुक्रवार शाम को चेतक स्थित सूचना केंद्र पर भी दोहराई जाएंगी।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'